प्रेस विज्ञप्ति

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

03 अक्टूबर, 2017

हमारे सुरक्षा प्रतिष्ठानों, बेस कैंप और सैन्य दलों पर बार बार और कभी न खत्म होने वाले आतंकवादी हमले भारत की आंतरिक सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं

टीवी के एसी स्टूडियो में बैठकर छद्म लडाई, बडे–बडे दावों और झूठी वाहवाही से राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर हुई

मोदी सरकार के लापरवाह रवैये, ढुलमुल नीति एवं अस्थिर मानसिकता के चलते सीमा पर अशांति छाई

जम्मू–कश्मीर में एयरफोर्स, सीआरपीएफ कैंप, आर्मी एवं पुलिस स्टेशनों पर बार बार होते आतंकवादी हमलों के साथ हिंसा में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। अधिकतम सुरक्षा वाले श्रीनगर एयरपोर्ट ज़ोन के पास बीएसएफ कैंप पर आज हुए आतंकवादी हमले ने सुरक्षा के प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ा दीं। **कांग्रेस पार्टी हमारे देश के बहादुर जवानों की हिम्मत को सलाम करती हैं, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और सतर्कता के बूते इस खतरनाक आतंकवादी हमले के मनसूबों को पस्त कर दिया। हम उस सैनिक के प्रति अपना शोक व्यक्त करते हैं, जिसने बहादुरी से आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।**

खोखले दावों, झूठी वाहवाही और टीवी के एसी स्टूडियो में बैठकर छद्म लड़ाई द्वारा भारतीय जनता पार्टी ने एक काल्पनिक मृग मरीचिका का निर्माण कर दिया है। सच्चाई यह है कि जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति गंभीर हो चुकी है, सीमापार से आने वाले आतंकवादी लगातार हमारे सुरक्षा प्रतिष्ठानों और मशीनरी पर हमले कर रहे हैं। **सरकार की अकर्मण्यता, दिशाहीनता एवं ढुलमुल नीतियां हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रही हैं।**

2014 के आम चुनावों के दौरान, श्री नरेंद्र मोदी ने भारी भरकम अभियान चलाकर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एवं आतंकवादियों के खिलाफ '56 इंच की छाती' तथा 'लाल लाल आंखों' जैसे बड़े बड़े जुमले दिए थे। आज केंद्र में श्री नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार बने 40 महीने बीत चुके हैं, लेकिन देश की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति सुधरना तो दूर, पहले से भी बदतर हो गई है।

<u>हमारे सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर लगातार होते बड़े–बड़े हमले स्थिति की गंभीरता का बयान कर रहे हैं।</u>

जुलाई 2015 – दीनानगर पुलिस स्टेशन में **गुरदासपुर हमले** में **10 नागरिकों और 7 सुरक्षाकर्मियों को अपनी जान गंवानी पड़ी, जिनमें पंजाब पुलिस का सुपरिंटेंडेंट भी शामिल था।**

जनवरी 2016 – एयरफोर्स बेस स्टेशन पर **पठानकोट हमले में 7 सैनिकों और 1 आम नागरिक की जान गई।**

सितंबर 2016 – ऊरी में आर्मी बेस पर हुए आतंकवादी हमले में **भारत के 20 बहादुर जवान शहीद हुए।**

नवंबर 2016 – नाग्रोटा और सांबा में आर्मी बेस कैंप में हुए हमले में **7 सैनिकों** की जान गई।

26 अप्रैल 2017 – कूपवाड़ा आर्मी कैंप में हुए आतंकवादी हमले में सेना के कप्तान सहित 3 जवानों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

3 अक्टूबर 2017 – श्रीनगर एयरपोर्ट के पास बीएसएफ कैंप पर हुए आतंकवादी हमले में 1 जवान की जान गई, 2 घायल हुए।

इनके अलावा अगस्त, 2015 में बीएसएफ के दल पर हुआ ऊधमपुर हमला; जून, 2016 में पैंपोर हमला; जून, 2017 में बार बार हुए हमले, जिनमें 6 पुलिसकर्मियों और 1 सैनिक सहित 14 लोग मारे गए; तथा 10 जुलाई, 2017 को अमरनाथ के तीर्थयात्रियों पर हुआ आतंकवादी हमला इस बात का प्रमाण हैं कि मोदी सरकार देश में आतंकवाद से निपटने में बुरी तरह विफल हो गई है।

<u>भाजपा सरकार के '56 ईंच की छाती' वाले कार्यकाल में पिछले 40 महीनों में 102 बडे आतंकवादी हमले हुए, जिनमें हमारे 253 बहादुर सैनिक शहीद हुए तथा 124 बेकसूर नागरिक मारे गए।</u>

आतंकवाद ने भारत की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। अब कभी न खत्म होने वाली बातों के लंबे दौर और 'कड़ी निंदा' का समय बीत चुका है। अब समय है जब मोदी सरकार को पाक प्रयोजित आतंकवाद से निपटने और हमारे सुरक्षाबलों व भोले–भाले नागरिकों पर बार बार होते आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए ठोस नीति बनानी पड़ेगी।